Title: Need to ensure remunerative price to paddy growers for their produce particularly in Chimur Parliamentary Constituency, Maharashtra.

13.17 hrs.

श्री नामदेव हरबाजी दिवाथे (चिमूर) : अध्यक्ष महोदय, अपना देश भारत कृषि प्रधान देश कहलाता है किन्तु किसानों को अपनी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है है। खासकर मेरे चिमूर निर्वाचन क्षेत्र के भंडारा, गोंदिया, गढ़चिरौली जिले में धान की फसल ज्यादा होती है। चावल की फसल उगाने के लिये जिन-जिन चीजों की जरूरत होती है, उन चीजों को उद्योग का दर्जा देकर दाम तय किये जाते हैं। जैसे खाद, दवा, पानी। लेकिन धान के दाम तय करते समय किसान को आने वाला खर्चा ध्यान में न रखकर दाम तय किये जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप किसान हर वक्त घाटे में जाता है। आज के हालात में किसान को एक एकड़ धान की फसल निकालने के लिये साढे छः या 7 हजार रु. खर्चा आता है और धान का उत्पादन 10-12 क्विं. होता है, जिसकी कीमत 5 हजार रु0 तक ही होती है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह किसान के हितों के मद्दे नजर चावल के उत्पादन को उद्योग का दर्जा देकर उसका दाम तय किया जाये।